नईदुनिया

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,58,280 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,45,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,58,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,45,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,58,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,45,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

उर्वरक खरीद को भूमि रिकार्ड से जोड़ेगी सरकार, आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकार्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। सरकार ने कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है। इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकार्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं। यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को चेयरमैन नियुक्त किया

नई दिल्ली। देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने पार्थ जिंदल को नया चेयरमैन नियुक्त किया है। जिंदल की नियुक्ति तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। इससे पहले पार्थ कंपनी के निदेशक थे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के अलावा पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन और जेएसडब्ल्यू एनर्जी के बोर्ड में निदेशक भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक तथा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के निदेशक मंडल में रहे हैं। कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार तथा स्थानीयकरण कार्यक्रम को आकार देने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब जेएसडब्ल्यू समूह जर्मनी की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी स्कोडा फाक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत कर रहा है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की सरकारी वाहन विनिर्माता कंपनी एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी और एसएआईसी मोटर की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर और कर्मचारियों के पास है।

जगदीशन की तकनीकी सुधार और विलय में अहम भूमिका रही, वर्तमान कार्यकाल के बाद जगदीशन इस पद के लिए नहीं चुने जाएंगे

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने और एचडीएफसी लिमिटेड के साथ उसके ऐतिहासिक विलय को सफलतापूर्वक अंजाम देने वाले प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी शशिधर जगदीशन ने अब अपने पद पर आगे न बढ़ने का फैसला किया है। अक्टूबर में समाप्त हो रहे अपने वर्तमान कार्यकाल के बाद वे दोबारा इस पद के लिए नहीं चुने जाएंगे। भारत के निजी क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता, एचडीएफसी बैंक के एमडी व सीईओ शशिधर जगदीशन ने बैंक के बोर्ड को सूचित किया कि वे नया कार्यकाल नहीं चाहते। दोबारा चुने जाने की अटकलों पर विराम लगाते हुए, उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि कोई नया नेतृत्व बैंक की कमान संभाले। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, जगदीशन ने बोर्ड को बताया कि पिछले 35 साल उनके लिए बहुत अच्छे रहे, खासकर एमडी एवं सीईओ के रूप में पिछले छह वर्ष। इस दौरान बैंक ने तकनीकी प्रणालियों को दुरुस्त करने और एचडीएफसी लिमिटेड के साथ विलय जैसे अहम कार्य पूरे किए।

पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल में उबाल, 90 डालर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर नए हमलों की शुरुआत करने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बन गया है। इस उछाल के कारण ब्रेंट क्रूड 90 डालर प्रति बैरल के स्तर के पार चला गया। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 86 डालर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। अमेरिका द्वारा होर्मुज स्ट्रेट में ईरान के एक द्वीप में दो लान्चर्स पर हमला करने के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान ने जार्डन में दो अमेरिकी बेस पर हमला कर दिया। दोनों देशों द्वारा एक दूसरे के ठिकानों पर हमला करने की वजह से पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव की स्थिति बन गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में तेजी के रूप में नजर आ रहा है।

ब्रेंट क्रूड ने 1.35 डालर प्रति बैरल उछल कर 89.455 डालर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ट्रेडिंग शुरू होने के कुछ देर बाद ही इसकी कीमत 90 डालर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई। तनाव की आशंका के कारण भारतीय समय के मुताबिक सुबह 10 बजे के करीब ब्रेंट क्रूड 90.98 डालर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसमें मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे ब्रेंट क्रूड 2.69 डालर प्रति बैरल यानी 3.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 90.79 डालर प्रति बैरल के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।

इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड की ट्रेडिंग 1.29 डालर प्रति बैरल की तेजी के साथ 84.69 डालर प्रति बैरल के स्तर से शुरू हुई। शुरुआत में ही कुछ देर के लिए यह फिसल कर 84.11 डालर प्रति बैरल तक आया। इसके बाद इसके भाव में तेजी आ गई और थोड़ी देर में ही यह उछल कर 85.96 डालर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 11:30 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.33 डालर प्रति बैरल यानी 2.79 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.73 डालर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जानकारों का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुए नए हमलों का सिलसिला अगर जारी रहा तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उबाल आ सकता है। अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट पर पूरा कंट्रोल हासिल करने के लिए ही ईरान के द्वीप पर दो लान्चर्स पर हमला किया है। इसके जवाब में ईरान ने भी जार्डन के अमेरिकी बेस पर हमला कर साफ कर दिया है कि वो अमेरिकी हमलों के सामने सरेंडर नहीं करेगा। दोनों देशों के रवैये से साफ है कि पश्चिम एशिया के तनाव में अभी जल्दी कोई कमी आने की उम्मीद नहीं है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर ये तनाव जारी रहा तो कच्चे तेल की कीमत में भी तेजी का रुख बना रह सकता है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी भारत जैसे आयल इंपोर्टर देश की अर्थव्यवस्था पर निगेटिव इफेक्ट डाल सकती है।

टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत का लंबे समय तक बना रहना भारत के करंट अकाउंट डेफिसिट को बढ़ा सकता है। इसके साथ ही इसकी वजह से फिस्कल डेफिसिट टारगेट भी हिट हो सकता है। इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमत भारतीय मुद्रा को कमजोर कर सकती है, महंगाई को बढ़ा सकती है और फारेन कैपिटल आउटफ्लो (विदेशी पूंजी की निकासी) को और बढ़ा सकती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था पर बढ़ते दबाव से स्टाक मार्केट में अनिश्चितता आ सकती है, क्योंकि सरकार को सब्सिडी, इंटरेस्ट रेट और रुपया-डालर एक्सचेंज रेट पर पड़ने वाले असर के बारे में कड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

नई दिल्ली

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज आर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था।

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज आर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज आर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टाक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टाक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

पाकिस्तान-सऊदी अरब का कृषि समझौता, 3 अरब डालर निर्यात का लक्ष्य

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने कृषि और खाद्य क्षेत्र में एक बड़ा समझौता किया है, जिसके तहत अगले दो साल में पाकिस्तान से सऊदी अरब को होने वाला कृषि और खाद्य उत्पादों का निर्यात तीन अरब अमेरिकी डालर तक बढ़ाया जाएगा। यह अहम सहमति सऊदी अरब के पर्यावरण, जल और कृषि मंत्री अब्दुलरहमान अल-फादली की हालिया पाकिस्तान यात्रा के दौरान बनी। 26 से 28 अगस्त तक चली अपनी यात्रा के दौरान, मंत्री अल-फादली ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा और अनुसंधान मंत्री राणा तनवीर हुसैन और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने चावल, लाल मांस, फल उत्पाद, हरा चारा तथा कम पानी में होने वाली कृषि तकनीकों जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। निजी क्षेत्र की भागीदारी पर विशेष जोर रहा। दोनों ने इस 3 अरब डालर के लक्ष्य को अगले दो साल में हासिल करने की साझा प्रतिबद्धता जताई। पिछले साल पाकिस्तान ने सऊदी अरब को लगभग 1.69 लाख टन चावल निर्यात किया था, जिसकी कीमत 16.3 करोड़ डालर थी, और सऊदी अरब ने आने वाले वर्षों में इसका आयात और बढ़ाने में रुचि दिखाई है। इसके अतिरिक्त, प्रति वर्ष 30 हजार टन लाल मांस की आपूर्ति की भी समीक्षा की गई, जिसका मूल्य 16.7 करोड़ डालर है।

भारत-ब्राजील ने 2030 तक 30 अरब डालर के द्विपक्षीय व्यापार का रखा लक्ष्य

भारत ने दवा उत्पाद के निर्यात बढ़ाने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की

नई दिल्ली

भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के अपने संकल्प को दोहराया है। राजधानी ब्रासीलिया में हुई 8वीं भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र (टीएमएम) की बैठक में दोनों ही देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब यूएस डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य भी तय किया है।

ब्राजील के ब्रासीलिया में आयोजित भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक में भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करने वाले मजबूत संस्थागत ढांचे और रणनीतिक एवं आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए दोनों पक्षों की साझा प्रतिबद्धता पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और ब्राजील की विदेश व्यापार सचिव तातियाना लैसर्दा प्राजेरेस ने की।

बैठक के दौरान भारत ने दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए ब्राजील में अधिक विश्वसनीय नियामकीय व्यवस्था की मांग की है। दोनों पक्षों ने और अधिक विविध, संतुलित और निरंतर साझेदारी के माध्यम से विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और मशीनरी के क्षेत्र में 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान वाणिज्य सचिव ने ब्राजील सरकार के विकास, उद्योग, वाणिज्य और सेवा मंत्री मार्सियो एलियास रोजा से भी मुलाकात की तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और सुदृढ़ करने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है। वर्ष 2025 में भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार 0.84 अरब डालर तक पहुंचने के साथ दोनों पक्ष कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए।

भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2025-26 में 15.07 अरब डालर तक पहुंच गया है। इसे 2030 तक 30 अरब यूएस डालर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। जबकि एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी आने की आशंका की वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,711.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 138.93 अंक यानी 0.52 प्रतिशत टूट कर 26,402.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 150.22 अंक यानी 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 53,409.77 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। एफटीएसई इंडेक्स में पिछले सत्र के दौरान कोई हलचल नहीं रही, लेकिन सीएसी इंडेक्स 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,401.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 202.75 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,569.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,724.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,591.55 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,209 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.40 प्रतिशत लुढ़क कर 6,492.16 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 90.74 अंक यानी 1.34 प्रतिशत टूट कर 6,698.14 अंक के स्तर पर तक गिर गया है।

ताइवान वेटेड इंडेक्स में भी जोरदार कमजोरी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 612.63 अंक यानी 1.32 प्रतिशत फिसल कर 45,718.82 अंक के स्तर तक आ गया है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 730.56 अंक यानी 1.10 प्रतिशत गिर कर 65,675 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 170.79 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,414 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,944.46 अंक के स्तर पर कारोबार करते हुए नजर आ रहे हैं।